9810336199

Name of the paper : BHASKAR BUSINESS
Place of publication : NEW DELHI
Dated : - 4 OCT 2011

पढ़ें और आगे बढ़ें

अगर किसी किताब को बार-बार पढ़ने के बाद भी आनंद नहीं मिलता है तो ऐसी किताब को पढ़ने से कोई फायदा नहीं है। **-ऑस्कर वाइल्ड**

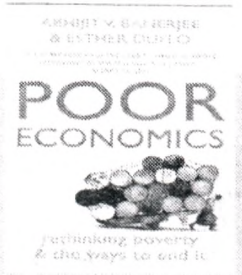

पूअर इकोनॉमिक्स : री-थिंकिंग पॉवर्टी एंड द वेज टु एंड इट
रेंडम हाउस
अभिजीत बनर्जी और एस्थर डफलो
मूल्य : 324 रुपये

गरीबी क्या है?

सरकारें गरीबी नियंत्रण के लिए भारी रकम खर्च करती है लेकिन यह पता नहीं होता कि इसके मानक क्या हैं। गरीबी नियंत्रण कार्यक्रम सरकार की कुछ बनी-बनाई मान्यताओं पर आधारित होते हैं। जब देश के शहर में 32 और गांव में 26 रुपये खर्च करने वालों को गरीब न मानने का दौर चल रहा हो तो ऐसे में यह किताब पाठकों को गरीबी के सही मायने समझाएगी। इस किताब में लेखक और लेखिका पुरस्कृत हो चुके मॉडल पॉवर्टी एक्शन लैब के जरिये गरीबी के बारे में स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखते हैं।

लेखक

बनर्जी मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इकोनॉमिक्स के फोर्ड फाउंडेशन इंटरनेशनल प्रोफेसर हैं। वह सामाजिक विज्ञान और इकोनॉमिक्स में पहले इन्फोसिस पुरस्कार से नवाजे जा चुके हैं।

डफलो एमआईटी में गरीबी निवारण और विकास अर्थशास्त्र की प्रोफेसर हैं। वह फॉरेन पॉलिसी पत्रिका की 100 शीर्ष चिंतकों और फॉर्च्यून पत्रिका की 40 साल से कम प्रभावशाली व्यक्तित्व में से एक हैं।

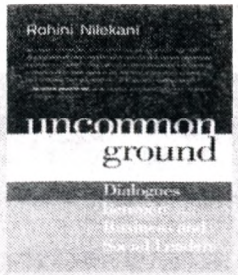

अनकॉमन ग्राउंड
वाइकिंग
रोहिणी नीलेकणी
मूल्य 499 रुपये

भविष्य का विमर्श

अनकॉमन ग्राउंड हमारे भविष्य के विकास से जुड़े आठ मुद्दों पर बिजनेस की दुनिया के दिग्गजों और सिविल सोसाइटी के नेताओं के बीच विमर्श को सामने लाती है। रोहिणी ने एनडीटीवी पर प्रसारित अपने शो पर दोनों क्षेत्रों के दिग्गज से कई सवाल किए थे। मसलन दो दशक के उदारीकरण के बाद भी समावेशी विकास का लक्ष्य दूर क्यों है? विकास का लाभ नीचे तक क्यों नहीं पहुंचा? इस शो में मेधा पाटेकर, मुकेश अंबानी, आर के पचौरी, सुनील मित्तल, अरुणा राय, सुनीता नारायण और योगी देवेश्वर से बातचीत है। यह किताब आज के दौर में हमारे लोकतंत्र में चल रही बहस को सामने लाती है।

लेखिका

रोहिणी नीलेकणी अर्घ्यम और प्रथम बुक्स के नाम से दो एनजीओ चलाती हैं। वह पानी, सेनिटेशन और साक्षरता पर काम कर रही हैं। कई अखबारों और पत्रिकाओं में उनका नियमित स्तंभ छपता है।

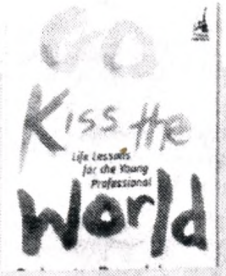

गो किस द वर्ल्ड
पेंग्विन
सुब्रतो बागची
मूल्य 399 रुपये

तरक्की की राह

जाओ और इस जहां को चूम लो। माइंड ट्री नाम की आईटी कंस्लटेंसी कंपनी के वाइस चेयरमैन सुब्रतो बागची की नेत्रहीन मां के ये शब्द उनके लिए प्रेरणा बन गए। उड़ीसा के एक छोटे शहर और पिछड़ी हुई पृष्ठभूमि से आने वाले बागची ने बाद में इसी शब्द से प्रेरणा लेकर कई उपलब्धियां हासिल की। इस किताब में अपने प्रोफेशनल जीवन की निजी घटनाओं के जरिये बागची ने युवा पेशेवरों को कामकाज, जीवन मूल्य से जुड़ी कई चीजें समझाई हैं। किताब इस तरह लिखी गई है कि साधारण लोग भी असाधारण काम के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

लेखक

बागची माइंड ट्री लिमिटेड के सह-संस्थापक और वाइस चेयरमैन हैं। 2008 तक यह कंपनी के सीईओ थे और इसके बाद उन्होंने प्रतिभाओं को तराशने के लिए गार्डनर की भूमिका स्वीकार कर ली। वह माइंड ट्री इनोवेशन काउंसिल के प्रमुख हैं।

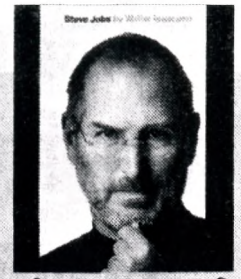

स्टीव जॉब्स : द एक्सक्लूसिव बायोग्राफी
वाल्टर आइजकसन
लिटिल ब्राउन
मूल्य : 699 रुपये

महानायक की गाथा

अपने इनोवेशन से एप्पल के पूर्व सीईओ स्टीव जॉब्स किवदंती बन चुके हैं। दुनिया को पहले पर्सनल कंप्यूटर से लेकर आईपैड और आईफोन तक से रूबरू कराने वाले जॉब्स इनोवेशन के प्रतीक बन गए हैं। अपनी पेशेवर क्षमता और प्रतिभा से जॉब्स एप्पल को दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक बना चुके हैं। 2004 में जॉब्स ने वाल्टर आइजकसन को फोन कर अपनी जीवनी लिखने को कहा। यह किताब जॉब्स के उतार-चढ़ाव भरी अद्भुत जिंदगी का लेखाजोखा है।

लेखक

वाल्टर आइजकसन एसपेन इंस्टीट्यूट के सीईओ हैं। वह सीएनएन के चेयरमैन और टाइम पत्रिका के संपादक रह चुके हैं। वह बेंजामिन फ्रैंकलिन : एन अमेरिकन लाइफ, किसिंजर : अ बायोग्राफी और द वाइज मैन जैसी पॉपुलर किताबों के भी लेखक हैं।

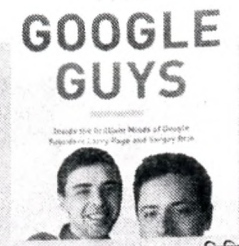

गूगल गाइज : इनसाइड द ब्रिलिएंट माइंड ऑफ गूगल फाउंडर्स
पोर्टफोलियो-पेंग्विन
रिचर्ड एल ब्रांट
मूल्य 259 रुपये

गूगल से आगे

यह किताब गूगल की कहानी नहीं बताती है। यह गूगल के संस्थापक लेरी पेज और सर्गेई ब्रिन की उन विशेषताओं पर फोकस करती है, जो उन्हें हमेशा एक कदम आगे बढ़ कर पहलकदमी को प्रेरित करती हैं। यह गूगल के फैसलों को इन दोनों संस्थापकों की महत्वाकांक्षाओं और मान्यताओं की रोशनी में देखती है। लेरी गूगल के मुख्य रणनीतिकार हैं और उनमें बिजनेस की जबरदस्त समझ है। जबकि सर्गेई मूल रूप से एक तकनीकविद और आदर्शवादी हैं। दोनों इस तरह काम करते हैं जैसे एक मस्तिष्क के दो हिस्से हों। किताब मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों, प्रतिस्पर्द्धियों, पार्टनर्स और सीनियर गूगल मैनेजमेंट अलावा संस्थापकों से बातचीत के आधार पर लिखी गई है।

लेखक

रिचर्ड ब्रांट को पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया है। वह साइंस और टेक्नोलॉजी पर 25 साल से लिख रहे हैं और बिजनेसवीक के 14 साल तक संवाददाता रह चुके हैं। वह अपसाइड मैगजीन के संपादक रहे हैं। ब्रांट, वन क्लिक : जेफो बेजो एंड द ट्रायम्फ ऑफ अमेजन.कॉम किताब लिख चुके हैं।

www.rohininilekani.org